पाठ 6: मंगलेश डबराल (संगतकार)

पाठ का सार (Summary):
यह कविता मुख्य रूप से मुख्य गायक का साथ देने वाले 'संगतकार' (सहयोगी कलाकारों जैसे तबला वादक, कोरस गाने वाले) के महत्त्व को रेखांकित करती है। जब मुख्य गायक गाते-गाते सुरों की गहराइयों में भटक जाता है या उसकी आवाज़ बैठने लगती है, तब संगतकार ही अपनी आवाज़ मिलाकर उसे सँभालता है और उसे वापस मूल स्वर पर ले आता है। संगतकार जान-बूझकर अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से धीमा रखता है। यह उसकी कमज़ोरी नहीं, बल्कि उसकी 'मनुष्यता' और सम्मान की भावना है, ताकि मुख्य गायक की सफलता में कोई बाधा न आए।

प्रश्न-अभ्यास (NCERT Solutions)

प्रश्न 1. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

संगतकार के माध्यम से कवि समाज के उन गुमनाम सहयोगियों और सहायकों की ओर संकेत करना चाह रहा है, जो किसी भी कार्य या किसी सफल व्यक्ति की सफलता के पीछे निस्वार्थ भाव से दिन-रात मेहनत करते हैं। ऐसे लोग स्वयं कभी मंच पर या सुर्ख़ियों (limelight) में नहीं आते, बल्कि वे दूसरों (मुख्य व्यक्ति) को सफल बनाने के लिए पृष्ठभूमि (background) में रहकर कार्य करते हैं। जैसे भवन के निर्माण में नींव की ईंट, या किसी नेता की सफलता के पीछे साधारण कार्यकर्ता।

प्रश्न 2. संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?

संगतकार जैसे (सहयोग देने वाले) व्यक्ति जीवन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देते हैं:

1. **सिनेमा/नाटक में:** मुख्य अभिनेता-अभिनेत्री के अलावा निर्देशक, मेकअप आर्टिस्ट, लाइटमैन, स्टंटमैन आदि।
2. **राजनीति में:** बड़े नेताओं के पीछे रैलियाँ आयोजित करने वाले और दिन-रात काम करने वाले साधारण कार्यकर्ता।
3. **खेल जगत में:** मुख्य खिलाड़ियों के साथ उनके कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पानी पिलाने वाले सहयोगी आदि।
4. **निर्माण क्षेत्र में:** भवन का नक्शा बनाने वाले इंजीनियर से लेकर ईंट उठाने वाले मज़दूर तक।

प्रश्न 3. संगतकार किन-किन रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं?

संगतकार निम्नलिखित रूपों में मुख्य गायक-गायिकाओं की मदद करते हैं:

1. जब मुख्य गायक गाते-गाते किसी कठिन स्वर में उलझ कर भटक जाता है, तब संगतकार उसकी स्थायी पंक्तियों (ध्रुव पद) को पकड़े रहकर उसे वापस सही स्वर पर लाता है।

2. जब गाते-गाते मुख्य गायक का गला बैठने लगता है और उसकी प्रेरणा साथ छोड़ने लगती है, तब संगतकार अपनी आवाज़ मिलाकर उसे ढाँढस बंधाता है और उसे अकेला महसूस नहीं होने देता।

3. वह यह याद दिलाता है कि मुख्य गायक अकेला नहीं है और जो गीत गाया जा चुका है, उसे दोबारा भी गाया जा सकता है।

प्रश्न 4. भाव स्पष्ट कीजिए- "और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है, या अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की जो कोशिश है, उसे विफलता नहीं, उसकी मनुष्यता समझा जाना चाहिए।"

भाव: संगतकार जब भी गाता है, वह जान-बूझकर अपनी आवाज़ को मुख्य गायक की आवाज़ से धीमा (नीचा) रखता है और गाते समय उसके स्वर में एक हिचक (संकोच) होती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि संगतकार में प्रतिभा की कमी है या वह गा नहीं सकता (यह उसकी विफलता नहीं है)। बल्कि यह उसकी महानता और 'मनुष्यता' है कि वह मुख्य गायक का सम्मान बनाए रखने के लिए स्वयं पीछे रहता है और मुख्य गायक की सफलता में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करता।

प्रश्न 5. किसी भी क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने वाले लोगों को अनेक लोग तरह-तरह से अपना योगदान देते हैं। कोई एक उदाहरण देकर इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

यह कथन पूर्णतः सत्य है कि किसी भी प्रसिद्ध व्यक्ति की सफलता के पीछे कई गुमनाम चेहरों का हाथ होता है। उदाहरण के लिए, जब कोई क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप जीतती है, तो कप्तान और मुख्य खिलाड़ियों को ही सारी प्रसिद्धि और तालियाँ मिलती हैं। परन्तु उनकी सफलता के पीछे टीम के कोच, जो उन्हें प्रशिक्षण देते हैं, डाइटिशियन जो उनके खान-पान का ध्यान रखते हैं, और फिजियोथेरेपिस्ट जो उनकी चोटों का इलाज करते हैं, इन सभी का अदृश्य योगदान होता है। इन 'संगतकारों' के बिना कोई भी सफलता शिखर तक नहीं पहुँच सकती।